## खबर संक्षेप

### जनपद सदस्य को मिली रीवा विश्विद्यालय से पीएचडी की उपाधि

**शहडोल।** सोहागपुर जनपद से वार्ड क्रमांक 10 की सदस्य शिल्पी पाण्डेय को अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा द्वारा संगीत विषय में शोध उपाधि प्रदान की गई है। उनका शोध विषय मध्य प्रदेश के प्रचलित लोक संगीत की विभिन्न विधाओं में भक्ति संगीत का योगदान रहा है। डॉक्टर शिल्पी के शोध कार्य का निर्देशन शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा के संगीत विभागाध्यक्ष डॉ. देवाशीष बनर्जी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। डॉक्टर शिल्पी सौरभ पाण्डेय की इस उपलब्धि पर शासकीय कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विभा श्रीवास्तव, शंकर दयाल पाण्डेय, शिवदयाल पाण्डेय, महेंद्र पाण्डेय, विजय पाण्डेय, ललित पाण्डेय, अवधेश पाण्डेय समेत समस्त परिवारजन और महाविद्यालय परिवार ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं। डॉक्टर शिल्पी पाण्डेय ने अपनी सफलता का श्रेय चाचा स्वर्गीय अजय पांडे पति सौरभ पाण्डेय व अपने मार्गदर्शक, परिजनों और सभी सहयोगियों को देते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

### समग्र ई-केवायसी का कार्य पूरा करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

**शहडोल।** कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में ग्रामीण एवं नगरीय निकायों की निकायवार समग्र ई-केवायसी के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन नगरीय एवं ग्रामीण निकायों में समग्र ई-केवायसी का कार्य संतोषजनक नहीं है वे निकाय शीघ्रता के साथ कार्य को पूरा करें। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद, अनुविभागीय डिप्टी कलेक्टर श्रीमती ज्योति परस्ते, भागीरथी लहरे, श्रीमती अन्तोनिआ एक्का सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।सावन में गौ सेवा का पुण्य कार्य

### घायल नंदी का 40 फीट गहरे नाले से सफल रेस्क्यू

**शहडोल।** जिले में सावन माह की पावन बेला में गौ सेवकों ने एक बार फिर इंसानियत और सेवा की मिसाल पेश की है। बीती रात बूढ़ा रेलवे स्टेशन के समीप सडक़ मार्ग पर बने ओवरब्रिज के नीचे एक नंदी ट्रेन की टक्कर से घायल हो गया। इस घटना में नंदी का एक पैर टूट गया और वह सीधे रेलवे लाइन से सटे नाले में गिर पड़ा। 40 फीट गहरी खाई से ऊपर आना उसके लिए संभव नहीं था और लगातार दर्द से तड़पता रहा। घटना की जानकारी मिलते ही अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान की टीम सक्रिय हुई। संस्थान से जुड़े गौ सेवकों को जैसे ही सूचना मिली, वे मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। नंदी जिस स्थान पर गिरा था, वहां तक पहुंचना अत्यंत कठिन था। चार घंटे की अथक मेहनत, मानवीय जज्बा और तकनीकी सहायता से बैल को सुरक्षित बाहर निकाला गया। जेसीबी मशीन की मदद से सावधानीपूर्वक उसे 40 फीट ऊपर लाया गया और तुरंत संस्थान के गौशाला में शिफ्ट कर उपचार शुरू किया गया। बताया गया है कि बैल को गंभीर रूप से एक पैर में चोट आई है, जिसे ठीक करने के लिए डॉक्टरों की टीम उसका इलाज कर रही है। गौ सेवकों का कहना है कि घायल अवस्था में भी बैल में जीवित रहने की अद्भुत इच्छा थी, जो सभी को प्रेरित कर गई। यह कोई पहला मौका नहीं है जब अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान ने ऐसा सराहनीय कार्य किया हो। पूर्व में भी संस्थान की टीम ने बुढ़ार, धनपुरी, अमलाई, ओपीएम और बकहो क्षेत्र में कई बार घायल, बीमार या लावारिस पशुओं को बचाने के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया है।

## कोयला स्टॉक में हेराफेरी का मामला, करोड़ों के घोटाले की आशंका

# बुढ़ार साइडिंग में बिना दस्तावेजों के डम्प हो रहा कोयला

एसईसीएल के सोहागपुर एरिया के अंतर्गत बुढ़ार ग्रुप की रेलवे साइडिंग में कोयले के स्टॉक को लेकर बड़ा मामला सामने आया है। प्राथमिक जानकारी के अनुसार बुढ़ार कोल यार्ड में दर्ज मात्रा से दो से ढाई गुना अधिक कोयला मौजूद है, जोकि स्टॉक रजिस्टर में दर्ज नहीं है।

**धनपुरी।**

इससे न केवल एसईसीएल के नियमानुसार गंभीर अनियमितता मानी जा रही है, बल्कि इसमें बड़े पैमाने पर कोयले की हेराफेरी और अवैध डंपिंग की संभावना भी प्रबल हो गई है।

सूत्रों की मानें तो बुढ़ार ग्रुप के उपक्षेत्रीय प्रबंधक से लेकर रेलवे साइडिंग के जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी इस पूरे खेल में संदिग्ध भूमिका निभा रहे हैं। आरोप हैं कि विभिन्न खदानों या स्टॉक पॉइंट्स से कोयले को बिना वैध दस्तावेजों के बुढ़ार साइडिंग में लाकर डम्प किया जा रहा है, और इसे कभी भी वैध स्टॉक दर्शाकर रेलवे रैक में लोड कर बेचा जा सकता है।

बुढ़ार साइडिंग से रोजाना बड़ी मात्रा में कोयला रेलवे के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में भेजा जाता है। इसी बीच अगर इस तरह का अवैध स्टॉक बिना लेखा-जोखा के रखा गया है, तो यह सीधे तौर पर एसईसीएल को राजस्व की हानि पहुंचाने वाला मामला बनता है। पूर्व में भी इसी साइडिंग से कोयले की अवैध निकासी को लेकर जांच की गई थी, जब तत्कालीन महाप्रबंधक पी. कृष्णा के निर्देश पर कुछ संदिग्ध गतिविधियों का खुलासा हुआ था।

स्थानीय कर्मचारियों और सूत्रों के अनुसार, इस बार भी साइडिंग में कोयले की मात्रा और स्टॉक रजिस्टर में दर्ज आंकड़ों में भारी अंतर है। अनुमान है कि यह अंतर दो से ढाई गुना तक हो सकता है, जो दर्शाता है कि या तो पुराने स्टॉक का लेखा-जोखा नहीं रखा गया, या फिर अन्य खदानों से लाकर उसे यहां चोरी-छिपे डम्प किया गया है। यह भी आशंका जताई जा रही है कि इस कोयले को आगे चलकर फर्जी बिलिंग या दूसरे नंबर के रास्ते से रैक में लोड कर बेचा जा सकता है। इस पूरे प्रकरण पर अगर उच्च स्तरीय जांच नहीं होती है तो यह मामला आने वाले समय में और गंभीर रूप ले सकता है। जानकारों का मानना है कि यदि वर्तमान स्टॉक का भौतिक सत्यापन स्वतंत्र एजेंसी द्वारा कराया जाए तो करोड़ों रुपये के कोयले की हेराफेरी का पर्दाफाश हो सकता है।

सवाल यह भी उठता है कि जब बुढ़ार साइडिंग से प्रतिदिन कोयले की लोडिंग होती है, तो संबंधित अधिकारियों और लेखा विभाग की नजर से यह फर्जी स्टॉक कैसे बचा रह गया? क्या यह पूरे सिस्टम की चूक है, या फिर कोई सोची-समझी मिलीभगत? एसईसीएल प्रबंधन को चाहिए कि वह इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल स्टॉक की जांच कराए और दोषियों पर कार्रवाई सुनिश्चित करे। साथ ही साइडिंग पर मौजूद सीसीटीवी फुटेज, मालवाहनों का रिकॉर्ड और स्टॉक रजिस्टर का मिलान कर पूरी स्थिति को स्पष्ट किया जाए। यह मामला न केवल कोयले की चोरी का है, बल्कि इससे जुड़े अधिकारियों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े करता है।

बुढ़ार कोल साइडिंग में सामने आए कोयले के अवैध स्टॉक का मामला एसईसीएल की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगाता है। यदि इसकी निष्पक्ष जांच होती है, तो यह मुमकिन है कि कोयले की चोरी और अनियमितता की परतें खुलें और एसईसीएल को होने वाले करोड़ों के घाटे से बचाया जा सके। यह मामला प्रशासन के लिए एक अग्निपरीक्षा भी है कि वह कितनी तत्परता और ईमानदारी से कार्रवाई करता है।

### इनका कहना है...

बुढ़ार रेलवे सायडिंग मेरी मॉनिटरिंग में है, लेकिन वहां अन्य कर्मचारियों को जिम्मेदारी दी गई है, इस तरह के आरोप सही नहीं है, इस संबंध में सेल्स या अधिनस्थ अधिकारियों से आप जानकारी ले सकते हैं।

**अमरेश पाण्डेय**
**उपक्षेत्रीय प्रबंधक बुढ़ार शारदा उपक्षेत्र, सोहागपुर एरिया**

## कमाई का अड्डा बन चुकी 108 एंबुलेंस सेवा

# हितग्राहियों को नहीं मिल रही राहत

**शहडोल।** जिले में 'जय अंबे इमरजेंसी सर्विस' द्वारा संचालित 108 इमरजेंसी एवं जननी 108 सेवा महज दिखावे की सेवा बनकर रह गई है। जिले भर में जनता की जीवन रक्षक यह एंबुलेंस सेवा कागजों में जरूर दौड़ रही है, लेकिन जमीनी सच्चाई इससे कोसों दूर है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिले को कुल 32 एंबुलेंसें दी गई थीं, जिनमें से 5 पहले ही बेंडर में भेज दी गई हैं और शेष 27 में से केवल 12 ही सडक़ पर सक्रिय हैं।

### एजेंसी के यार्ड में खड़ी हैं एंबुलेंसें

जानकारी के मुताबिक जब से डीएम के पद पर नौशाद हसन की नियुक्ति हुई है, अधिकांश एंबुलेंसें फ्रंटियर और कमर्शियल नामक एजेंसियों के यार्ड में ही खड़ी रहती हैं। यदि आज जिले के जिम्मेदार अधिकारी इन एजेंसियों में जाकर निरीक्षण करें, तो उन्हें दर्जनों गाडिय़ां बिना संचालन के खड़ी मिलेंगी। सवाल यह उठता है कि यदि सडक़ पर गाडिय़ां नहीं हैं तो जरूरतमंदों को सुविधा कैसे मिल रही होगी?

### डीएम पर कमीशनखोरी के आरोप

स्थानीय स्टाफ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि डीएम का इस स्थिति से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें सिर्फ अपने मासिक कमीशन की परवाह है। चाहे मरीज मरें या एंबुलेंस समय पर पहुंचे या नहीं, इससे कोई मतलब नहीं। यह आरोप गंभीर हैं और शासन की छवि को सीधा प्रभावित करते हैं। जिले के विभिन्न ब्लॉकों में हालात बद से बदतर हैं। कहीं सिर्फ 2 गाडिय़ां चालू हैं तो कहीं 4। ऐसे में पूरे क्षेत्र में इमरजेंसी सेवा नाममात्र की रह गई है। यह हालत तब है जब यह सेवा आम नागरिकों की आपात स्थिति में जीवन रक्षक भूमिका निभाती है।

### पायलट पर फोड़ा जा रहा जिम्मा

गाड़ी मेंटेनेंस के अभाव में दुर्घटना होने पर सारा दोष एंबुलेंस के ड्राइवर (पायलट) के सिर मढ़ दिया जाता है। हालांकि, बीमा की वजह से गाडिय़ां रिपेयर होकर वापस एजेंसी में लौट आती हैं, लेकिन पायलट को दोबारा ड्यूटी नहीं दी जाती। यह पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। पीड़ित कर्मचारियों ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से मांग की है कि उन्हें शीघ्र ड्यूटी पर वापस लिया जाए। यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे बड़े स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होंगे, जिसकी जिम्मेदारी जिला कलेक्टर और मुख्यमंत्री की होगी।

## शोरूम संचालकों ने आरटीओ टैक्स के नाम पर किया फर्जीवाड़ा

# अब शहडोल में 5 करोड़ का परिवहन घोटाला

**2570 वाहनों का रजिस्ट्रेशन शुल्क लेकर किया हजम, आरटीओ ने थमाया नोटिस**
**मौत बनकर सडक़ों पर दौड़ रहे 2570 बिना रजिस्ट्रेशन के वाहन**

**शहडोल।**

**शहडोल में ऑयल पेंट और ड्राईफ्रूट घोटाले के बाद अब परिवहन घोटाला सामने आया है। इस बार जनता के पैसे का दुरूपयोग कोई सरकारी मुलाजिम या दफ्तर नहीं, बल्कि आटो मोबाइल शोरूम संचालको ने किया है। इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब शहडोल आरटीओ शहर में स्थित टू-व्हीलर और फोर-व्हीलर शोरूम का औचक निरीक्षण करने पहुंची। जांच के दौरान इस बात का खुलासा हुआ कि 2570 वाहनों का लगभग 5 करोड़ रूपये परिवहन विभाग के खाते में जमा ही नहीं हुआ, जबकि शोरूम संचालकों ने उपभोक्ताओं से वह राशि ले ली है।**

जिले में परिवहन घोटाला सामने आने के बाद जिले में हडकंप की स्थिति बनी हुई है। शहडोल में ऑटोमोबाइल संचालक पिछले कई महीने से उपभोक्ताओं से आरटीओ रजिस्टेशन के नाम पर रसीद तो काट रहे थे लेकिन वह राशि आरटीओ के पास जमा नहीं कर रहे थे। इस फर्जीवाडे से ऑटोमोबाइल संचालकों को सीधा फायदा हो रहा था, वे उपभोक्ताओं के पैसों से अपना व्यापार बढा रहे थे। बुधवार को नवागत आरटीओ अनुपा खान संभागीय मुख्यालय के उत्सव होंडा, गुप्ता हीरो, मनोज टीवीएस और जयश्री बजाज के यहां औचक निरीक्षण में पहुंची। जांच के दौरान आरटीओ ने गाडियों की बिक्री और रजिस्टेशन शुल्क के बारे में जानकारी मांगी, जब आरटीओ ने दोनों दस्तावेजों का मिलान किया तो यह फर्जीवाडा सामने आ गया। दरअसल सभी ऑटोमोबाइल शोरूम में गाडियों की बिक्री ज्यादा पाई गई और उसके अनुसार आरटीओ में जमा होने वाला रजिस्टेशन शुल्क कम मिला। जब आरटीओ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए सघन जांच किया तो इस बात का खुलासा हुआ कि शोरूम संचालक वाहनों को बेचते समय उपभोक्ताओं से पूरी राशि ले लेते हैं जिसमें आरटीओ का टैक्स भी शामिल होता है, लेकिन वे आरटीओ का पैसा समय पर जमा नहीं करते। निरीक्षण के बाद आरटीओ ने सभी प्रमुख ऑटोमोबाइल शोरूम को नोटिस जारी कर स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे जल्द से जल्द रजिस्ट्रेशन शुल्क की लंबित पेंडेंसी निपटाएं, अन्यथा उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

### हर दो पहिया वाहन पर 6 हजार का रजिस्ट्रेशन शुल्क बकाया

एक दोपहिया वाहन पर औसतन 6000 का रजिस्ट्रेशन शुल्क होता है। इस हिसाब से लगभग 2 हजार वाहनों का लगभग 1 करोड 20 लाख और 600 चार पाहिया और उससे ज्यादा पहिया वाले वाहनों का लगभग 4 करोड़ से अधिक की राशि शासन को प्राप्त नहीं हुई है। यह स्थिति अचानक नहीं बनी है। यह सिलसिला पूर्व आरटीओ आशुतोष सिंह भदौरिया के कार्यकाल से चल रहा है। उस समय से ही कई वाहन शोरूम रजिस्ट्रेशन शुल्क वसूलने के बावजूद उसे आरटीओ कार्यालय में जमा नहीं कर रहे हैं।

### 7 दिन में राशि जमा करने का है प्रावधान

मोटर व्हीकल एक्ट 1988 के अनुसार वाहन की बिक्री के 7 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है। बिना रजिस्ट्रेशन के वाहन चलाना धारा 192 ए के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। ऐसा वाहन बीमा नियमों के अंतर्गत अमान्य माना जाता है। इसके अलावा, कर चोरी के दृष्टिकोण से जीएसटी अधिनियम के तहत भी यह गंभीर उल्लंघन है, जिसके लिए भारी जुर्माना और आईटी रेड तक की कार्रवाई हो सकती है।

### आरटीओ ने कहा कार्रवाई जारी है

जिला परिवहन अधिकारी अनूपा खान ने इस गंभीर मामले को संज्ञान में लेते हुए सभी दोपहिया-चारपहिया वाहन डीलरों को सख्त चेतावनी के साथ नोटिस थमाए हैं। साथ ही निर्देश दिए हैं कि वे रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया में लंबित सभी फाइलों को तुरंत निपटाएं, अन्यथा लाइसेंस निलंबन या कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालाकि शहडोल में चल रही यह व्यवस्था जनता की जान के लिए सीधा खतरा है। शासन को चाहिए कि वह तत्काल प्रभाव से इन मामलों में प्रारंभिक जांच, डीलरों की जवाबदेही, और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करे।

### क्या कहता है कानून?

मोटर व्हीकल एक्ट 1988 के तहत, वाहन विक्रेता को अधिकतम 7 दिन के भीतर रजिस्ट्रेशन शुल्क आरटीओ को जमा करना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर डीलर पर धारा 177 और 192 ए के तहत जुर्माना और लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई हो सकती है। जीएसटी एक्ट के तहत भी फर्जी इनवॉइस या डाटा छुपाने पर ?10,000 या बिक्री राशि के 100 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

### कैसे बन रहे हैं ये वाहन दुर्घटना के हथियार?

रजिस्ट्रेशन न होने की स्थिति में वाहन का कोई आधिकारिक रिकॉर्ड वाहन पोर्टल पर दर्ज नहीं होता। न बीमा कंपनी का कवरेज मान्य होता है, न फाइनेंस की वैधता। अगर ऐसे वाहन से कोई दुर्घटना होती है, तो पीड़ित को मुआवजा नहीं मिलेगा, वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया जाएगा, बीमा कंपनी किसी भी तरह की सहायता देने से इनकार कर सकती है, यानी ऐसे वाहन चलाना और उनसे दुर्घटना होना—दोनों ही स्थिति में आम आदमी फंसता है, और दोषी को बच निकलने का मौका मिल जाता है।

# मेडिकल कॉलेज के छह से अधिक एमबीबीएस छात्रों पर एफआईआर

**शहडोल।**

जिले के शासकीय बिरसा मुंडा चिकित्सा महाविद्यालय में पढऩे वाले छह से अधिक एमबीबीएस छात्रों पर गुंडागर्दी, मारपीट और तोडफ़ोड़ जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस ने इस मामले में आरोपी छात्रों दीपक जाट, भगवान सिंह, अजय नाकुल समेत आधा दर्जन अन्य छात्रों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351(3), 115(2), 189(2) और 191(3) के तहत सोहागपुर थाना में एफआईआर दर्ज कर ली है। घटना सोमवार देर शाम की है, जब दर्जनभर से अधिक मेडिकल छात्र कॉलेज के पास स्थित एक रेस्टोरेंट में घुस गए और संचालक नंदलाल नागर के साथ बेरहमी से मारपीट की। आरोप है कि छात्रों ने पहले रेस्टोरेंट में जमकर तोडफ़ोड़ की, गाली-गलौज की और जब उन्होंने देखा कि वहां सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, तो उन्होंने संचालक को जबरन उठाकर एक सुनसान स्थान पर ले जाकर पीटा। मारपीट इतनी गंभीर थी कि संचालक बेहोश हो गया। पीड़ित को पहले बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया, लेकिन परिजनों को वहां उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता हुई, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल के आईसीयू में शिफ्ट किया गया। फिलहाल उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

### बकाया बिल की मांग पर भडक़े छात्र

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपी छात्रों का रेस्टोरेंट से टिफिन सेवा का अनुबंध था। महीना समाप्त होने पर जब रेस्टोरेंट संचालक ने बकाया बिल की मांग की तो छात्र भडक़ गए और बदले की नीयत से दोस्तों के साथ पहुंचकर हमला कर दिया। घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें साफ देखा जा सकता है कि किस तरह दर्जनभर छात्र एक साथ रेस्टोरेंट के अंदर घुसकर मारपीट कर रहे हैं। वीडियो में छात्रों की हिंसक हरकतें और संचालक की चीख-पुकार भी सुनाई देती है, जिसने आम नागरिकों को झकझोर दिया है।

### कॉलेज की छवि पर दाग

इस घटना के बाद मेडिकल कॉलेज की छवि पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। लोगों का कहना है कि अगर पढ़ाई के दौरान ही ये छात्र इस तरह की आपराधिक हरकतें कर रहे हैं, तो भविष्य में इनसे मरीजों की सेवा की अपेक्षा कैसे की जा सकती है? यह घटना न सिर्फ कानून व्यवस्था के लिए चुनौती है, बल्कि स्वास्थ्य शिक्षा प्रणाली की साख पर भी धब्बा है।

### प्रशासन और कॉलेज प्रबंधन की चुप्पी सवालों के घेरे में

घटना के 24 घंटे बाद भी कॉलेज प्रशासन की ओर से कोई ठोस प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। न तो किसी छात्र को निलंबित किया गया है और न ही प्रबंधन की ओर से कोई जांच समिति बनाई गई है। स्थानीय नागरिक और अभिभावक मांग कर रहे हैं कि इस पूरे मामले में कॉलेज प्रशासन भी कठोर कदम उठाए और दोषियों को निष्कासित किया जाए। रेस्टोरेंट संचालक से बेरहमी से मारपीट कर उसे अधमरा करने वाले ये छात्र किसी भी रूप में डॉक्टर बनने के योग्य नहीं हैं। अगर इस तरह की घटनाओं पर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं हुई, तो न केवल मेडिकल संस्थानों की गरिमा प्रभावित होगी, बल्कि समाज में अपराधियों के हौसले और बढ़ेंगे।

### इनका कहना है...

सभी आरोपी छात्रों पर मारपीट, बलवा, गाली-गलौज, धमकी और अपहरण जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि कुछ आरोपियों की पहचान हो चुकी है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

**भूपेंद्र मणि पांडे**
**थाना प्रभारी, सोहागपुर**

# पटवारी 7 हजार की रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

उमरिया। जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस की सक्रियता लगातार जारी है। पंचायत सचिवों के बाद अब पटवारी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया है, जिससे राजस्व विभाग में हडक़ंप मच गया है। खबर है कि मानपुर तहसील अंतर्गत ग्राम इन्दवार निवासी महेन्द्र द्विवेदी अपने पैतृक जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से पटवारी के चक्कर काट रहे थे। आरोप है कि डोंगरी टोला भरेवा में पदस्थ पटवारी भूपेन्द्र सोनी ने अग्रिम कार्यवाही के लिए 7,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। थक-हारकर फरियादी ने मामले की शिकायत लोकायुक्त पुलिस रीवा से की। जांच में आरोप सही पाए जाने के बाद लोकायुक्त टीम ने योजनाबद्ध तरीके से चाय की दुकान में चाय पिलाने के बहाने बुलाकर पटवारी को रिश्वत की राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। घटना के बाद आरोपी पटवारी को ताला स्थित रेस्ट हाउस ले जाया गया, जहां उससे पूछताछ एवं अग्रिम कार्यवाही जारी है। लोकायुक्त टीम ने पटवारी के पास से रिश्वत की रकम बरामद कर ली है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में जिले के दो पंचायत सचिव भी अलग-अलग मामलों में रिश्वत लेते पकड़े जा चुके हैं। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से साफ है कि जिले में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त का शिकंजा कसता जा रहा है। वहीं, स्थानीय नागरिकों ने लोकायुक्त टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए प्रशासन से ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों पर सख्त कार्यवाही की मांग की है।

खबर संक्षेप

## कई श्रमिकों ने ली एचएमएस की सदस्यता

**हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।** 29 जुलाई को म सभा के क्षेत्रीय कार्यालय कोतमा कोलियरी में आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। ये बैठक सदस्यता सत्यापन के बाद की पहली बैठक का आयोजन था बैठक में सभी इकाइयों के अध्यक्ष सचिव एवं सम्मानित सदस्यों ने खुलकर अपने अपने विचार रखे तथा संगठन को ओर कैसे मजबूत किया जाय इस विषय पर भी गहन विचार विमर्श हुआ बैठक में सदस्य पंकज कुमार चंद्रा एवं नर्मदा प्रसाद शर्मा को श्रीकांत शुक्ला द्वारा तिलक लगाकर माल्यार्पण कर कोयला मजदूर सभा परिवार में शामिल किया गया तथा दोनों युवा शक्ति को संगठन की जिम्मेवारी भी दी गई श्री नर्मदा प्रसाद शर्मा को क्षेत्र का को म सभा का वरिष्ट उपाध्याय एवं पंकज कुमार चंद्रा को आमांडॉड ओसीपी ब्रांच का को म सभा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इसी तरह भदरा 7-8 खदान में मुकेश लहरंप को इकाई का को म सभा का सचिव नियुक्त किया गया एवं विवेक शुक्ला को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया सभी नियुक्ति क्षेत्रीय अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला द्वारा की गई तथा सभी उपस्थित सदस्यों ने शुक्ला का समर्थन किया।

## सीएमएचओ ने किया ग्राम अमड़ी का निरीक्षण

**उमरिया 30 जुलाई** - मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर व्ही.एस.चंदेल द्वारा ग्राम अमडी का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान उनके द्वारा गृह भेंट कर ग्रामवासियों से चर्चा कर दस्त एवं डायरिया के संबंध में रोकथाम पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि दस्त होने कि शिकायत होने पर तत्काल इसकी सूचना ग्राम के आशा कार्यकर्ता एवं एएनएम को दें ताकि त्वरित उपचार प्रक्रिया प्रारंभ हो सके। एएनएम सुनीता कोल ने बताया कि आशा कार्यकर्ता सरस्वती यादव के संज्ञान में आने के उपरांत मोहन बैगा उम्र 32 वर्ष, नाथू बैगा उम्र 76 वर्ष, अरुण बैगा 17 वर्ष को अस्वस्थ पाए जाने पर उपचार हेतु जिला चिकित्सालय रेफर किया गया है जिनका इलाज जिला चिकित्सालय उमरिया में किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

## स्वैच्छिक रक्तदान शिविर संपन्न

**उमरिया।** विश्व बाघ दिवस के अवसर पर बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सिविल सर्जन डॉ के सी सोनी के निर्देशानुसार ब्लड बैंक आफीसर डॉ.मुकुल तिवारी के नेतृत्व में रक्त संग्रह किया गया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर डॉ.सहाय ने कहा कि रक्तदान जीवनदान है। आपके व्दारा किए गए रक्तदान से किसी के जीवन को बचाया जा सकता है। इसलिए आवश्यक है कि समय समय पर सभी को रक्तदान करते रहना चाहिए। रक्तदान से बड़ा कोई दान नही होता है। डॉ मुकुल तिवारी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी आगंतुकों को रक्तदान का व्यापक महत्व बताते हुए रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित किया रक्तदान हेतु 25 रक्तदाताओं का पंजीयन किया गया एवं 20 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

## विभिन्न स्थलों में चलाया गया सफाई अभियान

**कटनी।** मंगलवार को घंटाघर रामलीला मैदान, दुर्गा चौक,गोल बाजार,बस स्टैंड, स्टेशन रोड, सुभाष चैक, गोल बाजार, कपड़ा बाजार, झंडा बाजार सहित अन्य स्थलों में सफाई कराया जाकर गार्बेज बैग में कचरे के उठाव का कार्य किया गया।

### कटघरे में प्रशासनिक कार्यप्रणाली, भ्रष्टाचार की खुली छूट

# करकेली जनपद में दम तोड़ चुकी नदी पुनर्जीवन योजना

**उमरिय।** राज्य सरकार ने सूख रही नदियों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से नदी पुनर्जीवन योजना की शुरुआत की थी, ताकि भूजल स्तर में सुधार हो और लोगों को स्वच्छ जल की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके, लेकिन करकेली जनपद में यह योजना भ्रष्टाचार का शिकार हो गई। निर्माण कार्यों में अनियमितता, अधिकारियों की मिलीभगत और लापरवाही ने पूरी योजना को निष्क्रिय बना दिया, शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई अब तक नहीं हुई। जिले की जनपद पंचायतों में किस हद तक भ्रष्टाचार व्याप्त है, इसकी एक और मिसाल सामने आई है। करकेली जनपद में नदी पुनर्जीवन योजना के तहत करोड़ों रुपये खर्च किए गए थे, लेकिन धरातल पर इसका कोई असर नहीं दिखता। लमरी नदी, जिसे पुनर्जीवित करने की जिम्मेदारी थी, बरसात के अलावा अन्य मौसम में सूखी रहती है और अपने वजूद के लिए संघर्ष कर रही है। ग्राम पंचायत नरवार-29 में जल संरक्षण और अमृत सरोवर योजनाओं के तहत कार्य कराए गए, लेकिन अधिकांश काम ठेकेदारों और मशीनों से कराए गए, जिनमें टेक्निकल गाइडलाइन की खुलेआम अनदेखी की गई। स्लोप, आउटलेट-इनलेट, फेंसिंग, पौधारोपण जैसे मूलभूत मानकों की न तो योजना बनाते समय परवाह की गई, न ही निर्माण के दौरान।

### जमकर चला ठेके और मशीनों का खेल

स्थानीय लोगों का कहना है कि अधिकांश कार्य एसडीओ और उपयंत्रियों की देखरेख में मनमाने ढंग से मशीनों के सहारे करवाए गए। बताया गया कि स्थल चयन से लेकर निर्माण तक अफसरों ने ठेकेदारी शैली में कार्य कराए, जिसमें तकनीकी स्टीमेट को ताक पर रख दिया गया। नतीजा यह हुआ कि तालाब, स्टॉप डैम और रपटा जैसे निर्माण या तो अनुपयोगी निकले या फिर बारिश के बाद ढह गए।

### 'रिज टू वैली' सिद्धांत को दरकिनार

नदी पुनर्जीवन योजना का मूल उद्देश्य यह था कि पहाड़ी क्षेत्रों से घाटी तक जल संग्रहण और मृदा संरक्षण की श्रृंखलाबद्ध संरचनाएं बनें, ताकि वर्षाजल धरती में समा सके और भूजल स्तर सुधरे। लेकिन जिले में योजना को 'टू-वैली' सिद्धांत पर लागू किया गया, यानी बिना जलग्रहण क्षेत्र को ध्यान में रखे निचले इलाकों में कार्य करा दिए गए। यह आर्थिक अपराध की श्रेणी में आता है।

### अमृत सरोवर सिर्फ कागजों में

नरवार-29 पंचायत में अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत तालाब निर्माण किया गया, लेकिन योजना के तहत तय सभी मानकों की अनदेखी की गई। न पैदल पथ बना, न सीढियां, न इनलेट-आउटलेट और न ही बेंच या पौधारोपण। स्थानीय लोगों का कहना है कि सिर्फ फोटो खिंचवाकर योजना पूरी बताई गई, जबकि हकीकत में यह केवल मिट्टी का गड्ढा भर है।

### लोकायुक्त के रडार पर सीईओ

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि जनपद स्तर पर बैठे कई अधिकारी खुद को ईमानदार बताकर शासन को भ्रमित कर रहे हैं, जबकि वास्तव में योजनाओं की बंदरबांट में पूरी तरह शामिल हैं। बावजूद इसके आज तक किसी भी उच्चाधिकारी या इंजीनियर पर कार्रवाई नहीं हुई है। योजना में मनरेगा, नर्मदा घाटी विकास, और राज्य योजनाओं के तहत फंडिंग हुई, लेकिन जांच में यह बात सामने आई कि कई निर्माणों में फर्जी बिल-बाउचर लगाकर पैसे निकाल लिए गए। काम या तो अधूरे हैं या नाममात्र के। इससे स्पष्ट है कि योजना के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति हुई और करोड़ों की राशि निजी जेबों में चली गई।

### लमरी नदी आज भी बेहाल

सरकार की मंशा थी कि नदी बारहों महीने बहती रहे, जिससे खेती, पेयजल और पारिस्थितिक संतुलन बना रहे, लेकिन जिले की लमरी नदी, जिसे योजना का लाभ मिलना था, बरसात के अलावा बाकी सीजन में पूरी तरह सूखी रहती है, गर्मियों में नलकूपों और हैंडपंपों तक का जलस्तर नीचे चला जाता है, जिससे गांवों में जल संकट विकराल रूप ले लेता है। करकेली जनपद में नदी पुनर्जीवन योजना का जो हश्र हुआ है, वह न सिर्फ एक विकास योजना की असफलता है, बल्कि यह प्रशासनिक उदासीनता और भ्रष्टाचार की गहराई को भी दर्शाता है।

## विद्यालय की शिक्षिका पर छात्रा से मारपीट का आरोप

### अभिभावक ने लगाई मानसिक प्रताडना की बात

**उमरिया।** आई.पी.एस. स्कूल उमरिया में कक्षा 12वीं की छात्रा के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आया है। डबरौहा निवासी जानचन्द्र पाण्डेय ने स्कूल प्राचार्य को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री कुमारी अस्था पाण्डेय को दिनांक 22 जुलाई 2025 को स्कूल की ही शिक्षिका कु. खुशी तिवारी द्वारा विद्यालय परिसर में किसी बात को लेकर कान के पास मारा गया। परिजन का दावा है कि उक्त स्थान पर पूर्व में चिकित्सकीय उपचार हो चुका था, जिससे छात्रा को पुनः शारीरिक पीड़ा झेलनी पड़ी।शिकायतकर्ता के अनुसार, घटना के बाद विद्यालय प्रबंधन ने परिजनों को बुलाकर आपसी समझाइश से विवाद शांत करवाया, जिस पर उन्होंने तत्काल किसी कानूनी कार्यवाही से परहेज़ किया। लेकिन इसके बावजूद, पीड़िता के रिश्तेदारों को शिक्षिका के परिवार की ओर से कथित रूप से यह कहा जा रहा है कि छात्रा को चार माह बाद विद्यालय से टीसी देकर निकाल दिया जाएगा, जिससे उसे अन्यत्र प्रवेश नहीं मिल पाएगा।अभिभावक का कहना है कि ऐसी बयानबाजी से यह प्रतीत होता है कि शिक्षिका के मन में अभी भी द्वेष की भावना है और छात्रा को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने मामले में विद्यालय प्रबंधन की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए मांग की है कि उक्त दिनांक की ष्टष्टञ्ङ्क फुटेज एवं तस्वीरें उन्हें उपलब्ध कराई जाएं, जिससे घटना की सच्चाई सामने आ सके। श्री पाण्डेय ने प्राचार्य को पत्र के माध्यम से यह चेतावनी भी दी है कि भविष्य में यदि उनकी पुत्री को किसी प्रकार की मानसिक, शारीरिक या शैक्षणिक क्षति पहुँचती है, तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी विद्यालय प्रबंधन व संबंधित शिक्षिका की होगी। इस संबंध में उन्होंने मामले की प्रतिलिपि कलेक्टर उमरिया एवं जिला शिक्षा अधिकारी को भी सादर सूचनार्थ भेजी है, ताकि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जा सके। विद्यालय प्रबंधन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

## आदर्श ग्राम पठारीकला में नवांकुर सखी हरियाली यात्रा संपन्न

**उमरिया।** मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर समिति कांता देवी अंत्योदय सेवा समिति के माध्यम से नवांकुर सखी हरियाली यात्रा का आयोजन विकास खंड करकेली के सेक्टर निगहरी अंतर्गत आदर्श ग्राम पठारीकला मे संपन्न हुआ। समस्त मध्यप्रदेश मे संचालित अभियान अंतर्गत पर्यावरण बचाने मे उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए करकेली विकास खंड मे भी यह अभियान प्रभावी रूप से संचालित किया गया। नवांकुर सखियो को बीज रोपित थैलियाँ वितरित की गई। कार्यक्रम मे जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ला, ग्राम पंचायत पठारीकला के सरपंच गोविंद सिंह उपस्थित रहे।नवांकुर सखी यात्रा के माध्यम से ग्राम मे कलश यात्रा के माध्यम से पर्यावरण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान 100 नवांकुर सखियों को एक-एक पौधा उपहार स्वरूप सभी आए हुए अतिथियों द्वारा दिया गया। कलश यात्रा के साथ पौधों को लेकर नवांकुर सखियों द्वारा अपने आदिवासी गीतों की गूंज से नवांकुर रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंचायत समन्वयक गोविंद कोल, पंचायत सचिव जय सिंह, पूर्व सरपंच व पूर्व जनपद सदस्य राजा मान सिंह मरकाम, परामर्शदाता संतोष त्रिपाठी, नवांकुर प्रतिनिधि, नवांकुर सखियाँ, गणमान्य व वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे।

## राज्य स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में जिले से 8 सदस्यों ने लिया भाग



**उमरिया।** अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव की गरिमामयी उपस्थिति में भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के पीसीसीएफ हॉफ और पीसीसीएफ वन्यप्राणी भी मौजूद रहे। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से पर्यटन और संरक्षण से जुड़े प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय एवं उपसंचालक प्रकाश वर्मा के मार्गदर्शन में, कुल 8 सदस्यीय दल भोपाल भेजा गया जिसमें ऋषि भट्ट (होटल एसोसिएट), दीपा सिंह (गाइड), संजय सिंह (गाइड), सूर्यासी सिंह (नेचुरलिस्ट), अजीत सिंह (नेचुरलिस्ट), रविशेखर पाठक (जिप्सी एसोसिएट), फागुमा बैगा (समिति अध्यक्ष), अशोक सिंह (समिति अध्यक्ष) शामिल है। यह भागीदारी बाघ संरक्षण के प्रति बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की प्रतिबद्धता और पर्यटन तथा स्थानीय समुदायों को इसमें शामिल करने के प्रयासों को दर्शाती है।

## बाघ शिकार मामले में दो आरोपियों की हुई गिरफ्तारी

**उमरिया।** क्षेत्र संचालक बांधवगढ टाईगर रिजर्व ने बताया कि वन विभाग ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया जिले के रोहनिया गाँव के दो व्यक्तियों, दशरथ बैगा पुत्र मेहे लाल बैगा और राम भुवन सिंह पुत्र पंचम सिंह, को बाघ शिकार मामले में गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एक विस्तृत जांच के बाद की गई, जिसमें एक बाघ के अवैध शिकार का मामला सामने आया, जो वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत एक गंभीर अपराध है। जांच के दौरान, वन विभाग ने बाघ के शव के अवशेष जब्त किए, जो इस मामले में महत्वपूर्ण सबूत के रूप में काम करेंगे। जब्त किए गए अवशेषों से नमूने लिए गए हैं, जिन्हें फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजा जाएगा ताकि उनकी पहचान की जा सके और पहले जब्त की गई सामग्रियों के साथ उनका संबंध स्थापित किया जा सके।आरोपियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 9, 27, 39, 44, 50, 51 और 52 के तहत कार्रवाई की गई। दोनों आरोपियों को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, उमरिया के समक्ष पेश किया गया। सुनवाई के बाद, अदालत ने उन्हें उमरिया जिला जेल में न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया, जब तक कि आगे की कानूनी कार्यवाही पूरी नहीं हो जाती।

## नशे से दूरी है जरूरी अभियान का आयोजन

**हरिभूमि न्यूज कोतमा।** नशे के खिलाफ सामाजिक चेतना जगाने और युवाओं को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराने के उद्देश्य से "नशे से दूरी है जरूरी "अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम जीएस हितकारिणी समिति कोतमा एवं मध्यप्रदेश वॉलंटरी हेल्थ एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय पी एमश्री हाई स्कूल कोतमा में किया गया। सभा अध्यक्ष के रूप मे अजय सिंह चौहान प्राचार्य तथा विशिष्ट अतिथियों में अकबर खान उप निरीक्षक थाना कोतमा सरिमन साकेत विकासखंड समन्वयक गोपी राम सिदार वरिष्ठ शिक्षक देवेंद्र कुमार पटेल प्रधानाध्यापक की गरिमा में उपस्थिति रही। वाणी स्वागत कु. माही ढीमर एवं कु. निधि केवट ने मां बीणा से गुंजित गान से अतिथियों रिझाने का कार्य किया। आयोजक समिति के सचिव ओंकार सिंह ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। चौहान ने अपने उद्बोधन में बताया कि नशा एक सामाजिक बुराई है जो केवल व्यक्ति को नहीं अपितु पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है नशे से खुद भी दूर रहे और आसपास के लोगों कोभी इससे दूर रहने को कहे। अकबर खान ने बताया कि नशा एक धीमा जहर है जो धीरे-धीरे व्यक्ति और उसके पूरे परिवार को बर्बाद कर देता है यह अभियान 15 जुलाई से 30 जुलाई तक पखवाड़ा के रूप में मनाया जाएगा जो पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के मार्गदर्शन मैं संचालित हो रहा है। संस्था का कार्य सराहनी है सरिमन साकेत ने बताया कि नशा एक विनाशक है इससे दूरी ही इसका समाधान है। कार्यक्रम में पटेल एवं सिद्धार्थ ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक योगेश गुप्ता ने किया तथा आभार ओंकार सिंह ने कैंसर जैसी महामारी से देश बचाने निकला हूं कविता से किया कार्यक्रम के अंत में सभी को शपथ दिलाई गई।

## प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पसान में लगाए गए श्रीफल के पौधे

**हरिभूमि न्यूज भालूमाड़ा।** नगर पालिका परिषद पसान अंतर्गत वार्ड क्रमांक 8 में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में श्रीफल के 20 पौधे लगाए गए। स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर विपिन कुमार एवं उनके स्टाफ के द्वारा यह वृक्षारोपण किया गया हालांकि आने वाले दिनों में कैंपस के अंदर बचे स्थान पर अन्य फलदार पौधों का वृक्षारोपण किया जाना है लेकिन आज जो वृक्षारोपण श्रीफल का किया गया इसका मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य केंद्र के मुख्य गेट से लेकर स्वास्थ्य केंद्र भवन की दूरी लगभग डेढ़ सौ लीटर है और दोनों और हर वर्ष पौधे लगाए जाते थे लेकिन उन पौधों की सही देखभाल न होने की वजह से पिछले चार-पांच साल से सभी पौधे या तो खराब हो जा रहे थे या आसपास के आने वाले पालतू मवेशियों के द्वारा उन्हें नुकसान कर दिया जाता था स्वास्थ्य केंद्र में एक डॉक्टर एक स्टाफ नर्स के अलावा अन्य किसी की पदस्थापना भी नहीं है कि कोई उनकी देखभाल कर सकता समय से इनका रखरखाव कर सकता और जैसे ही सुबह स्वास्थ्य केंद्र खुलता है वैसे ही आसपास के पालतू पशु कैंपस के अंदर हरियाली देखकर पहुंच जाते हैं और वह एक दो नहीं बाकी बल्कि झुंड में होते हैं स्वास्थ्य केंद्र के आसपास दो-तीन दरिया भी हैं वह लोग भी अपने पशुओं को छोड़ देते हैं और यह सभी पशु स्वास्थ्य केंद्र में ही आते हैं और यही कारण है कि पिछले कई वर्षों से यहां पर वृक्षारोपण तो किया जाता है लेकिन आज तक एक भी पौधे बड़े नहीं हो पाए इसका मुख्य वजह यही है कि उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है इसी सोच को ध्यान में रखते हुए इस बार कैंपस में दोनों और 10-10 श्रीफल के पौधे लगाने का विचार आया जिससे इन पौधों को पशुओं से कोई नुकसान भी नहीं होगा और जब यह पौधे बड़े होंगे तो स्वास्थ्य केंद्र का आकर्षण ही कुछ अलग होगा इसी सोच को लेकर डॉक्टर विपिन कुमार के द्वारा पौधों को खरीद कर उनका वृक्षारोपण आज सामूहिक रूप से किया गया।

## अभियान के तहत विद्युत चोरी करते पाये जाने पर की कार्यवाही

**हरिभूमि न्यूज कोतमा।** विद्युत विभाग की टीम के द्वारा मंगलवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में अभियान चलाते हुए बिजली चोरी एवं ओवरलोड पाए जाने पर कार्यवाही की गई है। विद्युत विभाग के सहायक अभियंता राहुल कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में कनिष्ठ अभियंता लालमणि पटेल के नेतृत्व में एक दर्जन कर्मचारियों के साथ पूरे दिन अलग-अलग वार्डों में भ्रमण कर छापेमारी की गई। नगर के बाजार एरिया में एक विद्युत उपभोक्ता के द्वारा चोरी की बिजली का उपयोग करते पाया गया इसी प्रकार वेल्डिंग शॉप में ओवर लोड पाया गया। मीटर से बाय पास कनेक्शन लेकर उपयोग करते पाया गया। दबिश के दौरान अन्य लोगों पर भी अनियमितता पाए जाने पर कार्यवाही की गई है। ग्रामीण क्षेत्र के निगवानी गांव मे एक उपभोक्ता पंप कनेक्शन से घर एवं दुकान मे विद्युत का उपयोग करते पाया गया। टीम के द्वारा पंचनामा तैयार करते हुए लगभग साठ सत्तर हजार रुपए की वसूली किये जाने के साथ ही बिजली चोरी का प्रकरण तैयार किया जा रहा है। कार्यवाही के दौरान जेई लालमणि पटेल, अनिल शुक्ला, राजेश सोनी, रविभान पटेल, विश्वास रंजन त्रिपाठी, मनोज बंधू पटेल शामिल रहे। कई उपभोक्ताओं के खिलाफ भार वृद्धि का मामला भी सामने आया है। बताया जाता है कि बिजली विभाग की टीम द्वारा छापे की जानकारी लगते ही नगर में हड़कंप मच गया कई दुकानदार शटर बंद कर भाग खड़े हुए। अधिकारियों का कहना है कि पूरे त्यौहार के दौरान लगातार अभियान चलाकर कार्यवाही की जाएगी।

### इनका कहना है

बिजली चोरी एवं अवैध विद्युत के उपयोग पर कार्यवाही की गई है। चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

**राहुल कुमार श्रीवास्तव**
**सहायक अभियंता कोतमा**

## अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही न होने पर अतिक्रमणकारियों के हौसले बुलंद

**हरिभूमि न्यूज कोतमा।** सुबह 20 फीट की सड़क सुबह 10 बजते ही 5 फीट की हो जाती है इतना ही नहीं दुकानदारों के द्वारा सड़क के दोनों तरफ दुकान का सामान रखते हुए सड़क को सकरी कर देते हैं और तो और सड़क के ऊपर दुकान के सामने पन्नी लगा देते हैं जिसके कारण वाहनों का आवागमन बाधित हो जाता है बारिश होने पर पानी के ऊपर भर पानी राहगीरों के ऊपर गिरता है जिसके कारण विवाद की स्थिति आए दिन निर्मित होती है। सबसे ज्यादा परेशानी स्टेशन चौक से पंचायती मंदिर रोड स्टेशन चौक से पुराना अस्पताल जाने वाला मार्ग सब्जी मंडी रोड में परेशानी होती है। यातायात विभाग के द्वारा जहां यह कहा जाता है कि दो कर्मचारियों की ड्यूटी कोतमा में प्रतिदिन लगाई जाती है लेकिन कहीं पर भी यातायात विभाग के दो कर्मचारी नजर ही नहीं आते हैं भूले बिसरे यातायात विभाग का वाहन जरूर नजर आ जाता है और दिखावा साबित करने के लिए कार्यवाही की जाती है पुख्ता कार्यवाही नहीं होने के कारण दुकानदारों के हौसले बुलंद है। नागरिकों ने बाजार एरिया में सड़क के ऊपर दुकानदारों के द्वारा जो पन्नी लगाई गई है उसे निकलवाये जाने की मांग की है जिससे यातायात बाधित न हो और सुचारू रूप से लोग आवागमन कर सके।

## खबर संक्षेप

### शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं करें प्रदानः डॉ. राजेश मिश्रा

**शहडोल।** मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राजेश मिश्रा ने वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग से होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह दी है। वर्षाकाल के मौसम में मौसमी बीमारियों एवं उल्टी दस्त से बचाव हेतु सावधानी एवं सर्तकता ही श्रेष्ठ साधन है। वर्षाकाल के मौसम में पानी छानकर एवं उबालकर पीना चाहिए तथा पेयजल स्त्रोंतों का जल शुद्धिकरण ब्लीचिंग पाउडर एवं क्लोरीन टैबलेट से करें। ताजा भोजन ग्रहण करें, वासी एवं कटे-फटे फलों का सेवन ना करे। उन्होंने कहा कि घर के आसपास साफ-सफाई रखें, दस्त लग जाने पर ओ.आर.एस. एवं जिंक सल्फेट गोली का उपयोग चिकित्सक की सलाह अनुसार करें। खाने-पीने की वस्तुओं को ढंककर रखें, मक्खियों से बचाव करें। हरी सब्जी एवं फलों को साफ पानी से धोकर ही उपयोग करें। मानसून के दौरान बहुत से लोगों को आंखो के रोग हो जाते हैं। इस रोग को आई-फ्लू, कंजक्टिवाईटिस या आखें आना के रूप में जाना जाता है। इस रोग से बचाव के लिए बार-बार अपने हाथ एवं चेहरे को ठंडे पानी से धोयें, परिवार के सभी सदस्य अलग-अलग तौलिये एवं रूमाल का उपयोग करें, स्वच्छ पानी का उपयोग करें, बार-बार आंखों को हाथ न लगायें, धूप के चश्मे का प्रयोग करें, चिकित्सक को दिखायें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने सिविल सर्जन शहडोल एवं सभी मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया है

### आदतन अपराधी को 3 माह तक थाना में उपस्थित होने के दिए निर्देश

**कटनी।** कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी दिलीप कुमार यादव ने पुलिस अधीक्षक से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर गुप्ता कॉलोनी खिरहनी फाटक निवासी राहुल दाहिया पिता अशोक दाहिया उम्र 25 वर्ष के विरूद्ध आगामी 3 माह की अवधि तक प्रतिमाह की 1 से 16 तारीख को थाना कोतवाली में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं। राहुल दाहिया के विरूद्ध थाना कोतवाली में वर्ष 2018 से अब तक 8 प्रकरण पंजीबद्ध है। जिनमें शराब पीने के लिए अवैध रूप से पैसों की मांग करना, गाली-गलौज करना, मारपीट करना, अवैध शस्त्र कब्जे में रखना जैसे अपराध शामिल है। पुलिस द्वारा राहुल के विरूद्ध समय-समय पर कई बार प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। परंतु, आदतन अपराधी के आचरण व्यवहार में कोई सुधार नहीं हुआ। राहुल द्वारा आपराधिक गतिविधियां निरंतर जारी रखने के कारण क्षेत्र में शांति एवं सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़नें वाले प्रतिकूल प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री यादव ने आदतन अपराधी के प्रवृत्ति पर नियंत्रण लगाने के लिए कार्रवाई करते हुए आगामी 3 माह तक थाना कोतवाली में उपस्थिति दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

# धूमधाम से चण्डी माता मंदिर में खाटू श्याम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठाः माँ बिरासनी के दरबार से शुरू हुई कलश यात्रा

**सैकड़ो रेलवे अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे**

बिरसिंहपुर पाली

उमरिया जिले के पाली नगर के रेलवे कालोनी में स्थित चण्डी माता मंदिर में आज सेक्शन इंजीनियर रेलवे अधिकारी सतीश साहू जी के नेतृत्व में समाजसेवी राजा दास आरके तिवारी राकेश बर्मन सुजीत कुमार सीएच राजू सीनू राव मदन कुमार सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे

जगदीश्वर खाटू श्याम जी की प्रतिमा की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा की गयी। प्राण प्रतिष्ठा के लिए आज दोपहर नगर में बिराजित आदि शक्ति जगत जननी माँ बिरासनी मंदिर से भी भव्य कलश यात्रा शुरू हो कर पूरे नगर का भ्रमण करते हुए बस स्टैंड से होते हुए रेलवे कालोनी स्थित चण्डी माता मंदिर पहुँची। चण्डी माता मंदिर में खाटूश्याम जी की प्रतिमा का सांगोपांग विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा की गयी। चण्डी माता मंदिर में आज भजन कीर्तन हवन करते हुए विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है। खाटूश्याम जी की प्रतिमा से आज हर्षोल्लास से रेलवे कालोनी में हर्ष व्याप्त है। जगदीश्वर खाटूश्याम के भक्तों ने आज हर्ष से झूम उठे।

# नशे से दूरी बहुत है जरुरीः आमजनों को जागरूक करते हुए नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया और नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

बुढार।

नशे से दूरी बहुत है जरूरी अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र के समस्त थानांतर्गत पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव के निर्देशन में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान के तहत थाना बुढार, सोहागपुर, अमलई,आदि थाना क्षेत्रांतर्गत पुलिस अधिकारियो द्वारा लोगो को नशे के दुष्परिणामों बारे में जागरूक किया गया। लोगो एवं विद्यार्थियो को नशा न करने की शपथ दिलाई गई। सार्वजनिक स्थलों पर बैनर, पोस्टर, होर्डिंग्स लगाकर एवं पम्पलेट वितरण कर व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया। नशा न केवल स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है बल्कि सामाजिक एवं पारिवारिक जीवन को भी बर्बाद कर देता है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश भर में नशे से दूरी है जरूरी नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य समाज में नशे के बढ़ते प्रभाव के प्रति जन सामान्य को सचेत करना एवं विशेषकर युवाओं को नशा उन्मूलन के लिए प्रेरित करना है। रेलवे स्टेशन में मंगलवार को थाना प्रभारी संजय जायसवाल के मार्गदर्शन में महिला सब इंस्पेक्टर श्रीमती शोभा नामदेव एवं एएसआई गुलाम हुसैन ने नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई

# विश्वविद्यालय में अनियमितताओं को लेकर एनएसयूआई ने सौंपा ज्ञापन

**मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को सौंपा गया मांग-पत्र**

**शहडोल।** पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में व्याप्त अनियमितताओं के खिलाफ शहडोल एनएसयूआई ने मोर्चा खोल दिया है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विश्वविद्यालय प्रशासन पर छात्रों के हितों की अनदेखी करने और शैक्षणिक माहौल को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। सौरभ तिवारी ने बताया कि संस्कृत विभाग में पदस्थ एच.ओ.डी. को कुलपति द्वारा अपना ओएसडी नियुक्त कर दिया गया है, जिसके चलते वह नियमित शैक्षणिक कार्य न कर बाबूगिरी में व्यस्त हैं। इसका प्रत्यक्ष असर छात्रों के पठन-पाठन पर पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि विश्वविद्यालय के नए परिसर में बने छात्रावास को जल्द से जल्द शुरू किया जाए ताकि दूरदराज से आने वाले विद्यार्थियों को ठहरने की समुचित सुविधा मिल सके। एनएसयूआई ने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री द्वारा शहडोल में नए विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा काफी पहले की जा चुकी है, लेकिन आज तक वह धरातल पर शुरू नहीं हो पाया है। संगठन ने मांग की कि इस दिशा में शीघ्र निर्णय लेकर कार्य प्रारंभ कराया जाए। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख रूप से एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी, जिला उपाध्यक्ष आशीष द्विवेदी, शुभम सोनिया, सिमरन कौर, ब्लॉक अध्यक्ष अमन तिवारी, विश्वविद्यालय अध्यक्ष दीपांशु गुप्ता, सोशल मीडिया उपाध्यक्ष महेंद्र यादव सहित ओम साहू, शिवांशु साहू, कान्हा गर्ग, आशु, कृष्णा, सत्यम समेत कई छात्र नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। एनएसयूआई ने चेतावनी दी कि यदि विश्वविद्यालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर शीघ्र संज्ञान नहीं लिया गया तो वह छात्रों के हित में उग्र आंदोलन की राह पर जाने को मजबूर होंगे।

# कोपरा कोटा जंगल में बाघ का खौफ, मवेशी का किया शिकार, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

शहडोल।

जिले के केशवाही वन परिक्षेत्र के कोपरा कोटा जंगल में इन दिनों एक बाघ की सक्रियता ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। बाघ ने हाल ही में एक मवेशी का शिकार किया

जिससे न केवल वन विभाग में हलचल मच गई है, बल्कि क्षेत्र के ग्रामीणों में भी गहरी दहशत व्याप्त हो गई है। जानकारी के अनुसार, रुपौला गांव के परमेश्वर सिंह रोज की तरह अपने मवेशियों को चराने के लिए कोपरा कोटा जंगल की ओर ले गए थे। लेकिन जब उन्होंने शाम को मवेशियों को वापस घर की ओर हांका, तो एक मवेशी गायब था। घर लौटने के बाद उन्होंने इस बात की जानकारी परिवारजनों को दी, जिसके बाद गांव के लोग इक_ा होकर जंगल में मवेशी की तलाश में निकल पड़े।

### बाघ के हमले की पुष्टि

जंगल के भीतर कुछ दूरी पर लापता मवेशी मृत अवस्था में मिला, जिसके शरीर पर बाघ के पंजों और दांतों के स्पष्ट निशान थे। इसके साथ ही आसपास की गीली मिट्टी में बाघ के ताजे पगमार्क (पैरों के निशान) भी देखे गए। ग्रामीणों ने उन निशानों की फोटो खींची और भय के कारण तुरंत मौके से वापस लौट आए। ग्रामीणों ने तुरंत वन विभाग को सूचित किया, जिसके बाद वन अमला मौके पर पहुंचा और क्षेत्र की घेराबंदी कर मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी गई।

### बाघ ने बना लिया है कॉरिडोर

केशवाही रेंजर अंकुर तिवारी ने बताया कि कोपरा कोटा क्षेत्र में पिछले करीब एक वर्ष से एक बाघ की सक्रियता देखी जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि बाघ ने इस इलाके को अपना कॉरिडोर बना लिया है। हम आसपास के सभी गांवों में सतर्कता बरतने की अपील कर रहे हैं, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। रेंजर ने यह भी बताया कि बाघ ने अभी तक केवल मवेशियों को निशाना बनाया है, लेकिन जंगल के नजदीक जाने वाले ग्रामीणों के लिए खतरा बना हुआ है। क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और वन विभाग अपनी सतर्कता प्रक्रिया के तहत गश्ती बढ़ा रहा है।

### ग्रामीणों की चिंता

ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थायी समाधान की मांग की है। उनका कहना है कि खेत और जंगल ही उनकी आजीविका के साधन हैं, लेकिन अब जंगलों में जाना असंभव होता जा रहा है। एक ग्रामीण ने बताया, पहले हाथियों से डरते थे, अब बाघ ने और संकट खड़ा कर दिया है। प्रशासन को सुरक्षा इंतजाम करने चाहिए।

## थाने से रील बनाना छात्र को पड़ा महंगा

# वायरल वीडियो पर थानेदार ने करवाई माफीनामा लिखवाया

**थाना के सामने रील बनाना छात्र को पड़ा महंगा**

शहडोल।

सोशल मीडिया की लत और रील बनाने का शौक युवाओं को कब मुश्किल में डाल दे, इसका अंदाजा जयसिंहनगर के एक कॉलेज छात्र को नहीं था। अपने दोस्त के साथ मारपीट की शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचे एक छात्र ने बाहर निकलते समय एक ट्रेंडिंग गाने पर रील बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दी। रील में उसने बैकग्राउंड म्यूज़क़ रखा 'लगे माफिया, कदे जेल कदे बेल', और लोकेशन जयसिंहनगर थाना परिसर रही। यह रील वायरल हुई तो पुलिस महकमा भी हरकत में आ गया।

पूरा मामला जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के डेंगरहा गांव निवासी हर्ष पांडे का है, जो एक स्थानीय कॉलेज का फाइनल ईयर का छात्र है। कुछ दिन पहले हर्ष अपने एक मित्र के साथ हुई मारपीट की शिकायत दर्ज कराने जयसिंहनगर थाने आया था। रिपोर्ट दर्ज कराने के बाद, वह थाने से बाहर निकलते हुए अपने ही मोबाइल से एक वीडियो रील बनवाता है। इस वीडियो में उसने गाना डाला - 'लगे माफिया कदे जेल, कदे बेल' और उसे अपने इंस्टाग्राम व फेसबुक अकाउंट पर अपलोड कर दिया। सोशल मीडिया पर रील तेजी से वायरल हुई और कुछ लोगों ने उसे डाउनलोड कर थाना प्रभारी अजय कुमार बैगा तक पहुँचा दिया। वीडियो देख थाना प्रभारी नाराज़ हुए और युवक की पहचान कर उसे थाने बुलाया गया। पुलिस ने बताया कि हर्ष से पूछताछ की गई, उसे समझाइश दी गई और उसकी क्लास भी ली गई।

पुलिस का कहना है कि हर्ष पर कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है क्योंकि वह एक छात्र है और यह हरकत अनजाने में हुई। थाना प्रभारी ने कहा कि सोशल मीडिया पर कंटेंट अपलोड करने से पहले हर किसी को सोचना चाहिए कि उसकी कानूनी और सामाजिक जिम्मेदारियां भी हैं। यह मामला उन युवाओं के लिए सबक है जो रील बनाकर लाइक्स और फॉलोअर्स बढ़ाने की होड़ में यह भूल जाते हैं कि उनका एक वीडियो कई बार उन्हें मुश्किल में डाल सकता है। विशेषकर सरकारी परिसर या थानों में ऐसे वीडियो बनाना, फिर किसी संदिग्ध या विवादास्पद ऑडियो के साथ साझा करना, गंभीर परिणामों को जन्म दे सकता है।

छात्र हर्ष पांडे का मामला एक बार फिर यह दर्शाता है कि सोशल मीडिया पर छोटी-छोटी गतिविधियां कैसे बड़े विवादों में बदल सकती हैं। पुलिस ने जहां समझदारी का परिचय देते हुए छात्र को सुधारने का मौका दिया, वहीं युवाओं को भी चाहिए कि वे सोच-समझकर ही किसी सार्वजनिक स्थान या सरकारी दफ्तर के परिसर में रील बनाएं, ताकि भविष्य में किसी कानूनी पचड़े में न फंसें।

### इनका कहना है...

छात्र ने स्वीकार किया कि उसने अनजाने में यह रील बनाई थी और उसका उद्देश्य पुलिस या थाने की गरिमा को ठेस पहुँचाना नहीं था। हर्ष ने इसके बाद न सिर्फ अपने सोशल मीडिया अकाउंट से वीडियो डिलीट किया, बल्कि थाने में एक लिखित माफीनामा भी सौंपा, जिसमें उसने भविष्य में ऐसी गलती दोबारा न करने की बात लिखी।

**अजय कुमार बैगा**
**थाना प्रभारी, जयसिंहनगर**

# जर्जर भवन में संचालित स्कूल बना खतरे की घंटी, पार्षद सिल्लू रजक ने उठाई आवाज

शहडोल।

संभागीय मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 19 स्थित शासकीय प्राथमिक पाठशाला (आदिवासी कल्याण विभाग), डेवलपमेंट एरिया अब एक विद्यालय कम और हादसे का इंतजार करता जर्जर ढांचा ज्यादा नजर आता है। वर्षों से उपेक्षित इस भवन में छोटे-छोटे बच्चे अपनी जान जोखिम में डालकर शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इस संवेदनशील मामले को लेकर वार्ड पार्षद सुशील कुमार रजक सिल्लू ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी सोहागपुर को पत्र लिखकर तत्काल विद्यालय को अन्यत्र सुरक्षित भवन में स्थानांतरित करने की मांग की है। पार्षद ने इस बात पर जोर दिया है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है, जिसकी जवाबदेही शिक्षा विभाग की होगी।

### भवन की हालत भयावह

विद्यालय में पढने वाले लगभग 10 से 15 छात्रों के लिए तैनात तीन शिक्षक भी खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। दीवारें जर्जर हैं, छत से बारिश का पानी टपकता है, और कई जगहों पर छज्जे गिरने की स्थिति में हैं। यह हालात न केवल शिक्षा व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं, बल्कि बच्चों की जान को भी सीधा खतरा पैदा करते हैं।

### वैकल्पिक भवन का सुझाव

पार्षद ने अपने पत्र में वार्ड क्रमांक 5 स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल विद्यालय, घरौला मोहल्ला के नवीन भवन का उल्लेख किया है, जो फिलहाल खाली है और वहां पर्याप्त स्थान उपलब्ध है। यदि इच्छाशक्ति हो, तो इस स्थान पर बच्चों की पढ़ाई बिना बाधा के जारी रह सकती है। पार्षद सिल्लू रजक ने स्वयं मौके पर पहुंचकर मोहल्ले की महिलाओं के साथ विद्यालय भवन की स्थिति का निरीक्षण किया, जिसकी तस्वीरें भी मीडिया के माध्यम से सामने आई हैं। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि यह भवन अब बच्चों के लिए नहीं, बल्कि खतरे की प्रतीक बन चुका है।

### नशेड़ियों का अड्डा बनता जा रहा परिसर

स्थानीय निवासियों ने बताया कि शाम ढलते ही यह भवन नशेड़ियों का अड्डा बन जाता है। रात भर शराबखोरी और असामाजिक गतिविधियों से मोहल्ले के बच्चे और महिलाएं डरे-सहमे रहते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चों का इस स्थान पर पढऩा अत्यंत चिंता का विषय है। पार्षद सिल्लू रजक की यह पहल न केवल एक जागरूक जनप्रतिनिधि की जिम्मेदारी दर्शाती है, बल्कि एक संकट से पहले चेतावनी भी है। अब देखना है कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन इस मुद्दे को कितनी गंभीरता से लेते हैं और बच्चों की सुरक्षा के लिए कब तक कोई ठोस कदम उठाते हैं।

# गरिमामय एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा स्वतंत्रता

**स्वतंत्रता दिवस समारोह की आयोजन संबंधी बैठक कलेक्टर की अध्यक्षता में सम्पन्न**

**शहडोल।** स्वतंत्रता दिवस समारोह जिले में हर्षोल्लास एवं गरिमामय तरीके से मनाया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस की आयोजन संबंधी बैठक कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट समागार में सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मुख्य समारोह गांधी स्टेडियम शहडोल में प्रातः 9 बजे आयोजित किया जाएगा। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर स्कूली बच्चों द्वारा प्रातः 7:30 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। बच्चे गांधी स्टेडियम शहडोल में आयोजित मुख्य समारोह कार्यक्रम में भाग लेंगे। वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व गांधी स्टेडियम, जय स्तम्भ चौक, न्यू गांधी चौक, कालेज चौराहा सहित मुख्य मार्गों तथा स्कूल मार्गों की साफ-सफाई, रोशनी की व्यवस्था, फव्वारे चालू करने तथा देश भक्ति से ओत-प्रोत गीत बजाए जाएंगे। कलेक्टर ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्लास्टिक के झण्डों का उपयोग नहीं करनें, झण्डें इधर-उधर नहीं फेंकने, झण्डे का अपमान नहीं हो इसके लिए आवश्यक है कि झण्डा जमीन पर नहीं गिरे। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कटा-फटा झण्डा उपयोग नहीं किया जाए। जिस पोल में ध्वजारोहण किया जाएगा उसमें जंग नहीं लगी रहे, पोल की साफ-सफाई करा ली जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनन्द, एसडीएम सोहागपुर अरविंद शाह, उप पुलिस अधीक्षक राघवेन्द्र द्विवेदी, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती ज्योति परस्ते, आर आई, नगरपालिका, लोक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, डीपीसी, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, समाजसेवी राजेश्वर उदानिया एवं लक्ष्मण गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर युद्ध में शहीद हुए सैनिकों तथा वीरता पुरस्कार प्राप्त सैनिकों की पत्नियों अथवा उनके माता-पिता को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। उन्हें कार्यक्रम स्थल पर आमंत्रित भी किया जाएगा। मुख्य समारोह में सभी शासकीय सेवकों को कार्यक्रम स्थल में प्रातः 8:30 बजे तक उपस्थित होने के लिए कहा गया है। उत्कृष्ट कार्य करने वालेशासकीय सेवकों को सम्मानित किया जाएगा। संबंधित कार्यालय प्रमुख पुरूस्कार के लिए प्रस्तावित करने पर संबंधित शासकीय सेवक की उपलब्धियों का विवरण भी देना होगा। यह प्रस्ताव 13 अगस्त तक सीईओ जिला पंचायत को उपलब्ध कराने होंगे। स्वतंत्रता दिवस के एक दिन पूर्व 14 अगस्त से सभी शासकीय कार्यालयों में तथा बैंकों में रोशनी की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्य समारोह स्थल गांधी स्टेडियम में राष्ट्रीय ध्वज संहिता के अनुरूप ध्वजारोहण की सम्पूर्ण व्यवस्था रक्षित निरीक्षक पुलिस लाईन शहडोल द्वारा की जाएगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आकर्षक सांस्कृतिक कायक्रम एवं परेड का भी आयोजन किया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के चयन के लिए टीम गठित की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता की थीम पर लोक संस्कृति पर आधारित लोक नृत्यों को प्रोत्साहित करने का निर्णय बैठक में लिया गया। प्रत्येक दल में कम से कम 50 प्रतिभागी होना अनिवार्य रखा गया है। जिले में राज्य स्तर पर प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं जो 10वीं एवं 12वीं कक्षाओं में सर्वाधिक अंक से उत्तीर्ण हुए हैं को पुरस्कृत किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रमों का आयोजन उप खण्ड स्तर, जनपद स्तर, नगरीय निकायों तथा ग्राम पंचायत स्तर पर भी आयोजित किए जाएंगे।

गिरोह के 6 अन्य आरोपी हैं गिरफ्तार, दो सरगना अभी भी फरार

# गेमिंग वेबसाइट के माध्यम से आनलाइन रैकेट चलाने के आरोपी की जमानत याचिका निरस्त





हरिभूमि
आरोपियों से पुलिस अधीक्षक ने स्वयं की गहन पूछताछ
खिलाड़ी 420: धोखाधड़ी व सट्टा गिरोह के 6 अन्य आरोपियों के भी गिरे विकेट




हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल के न्यायालय ने थाना कोतवाली अनूपपुर के अपराध की धारा 318 (4) एवं 3(5) बी.एन.एस.एस. गेमिंग बेवसाईट के माध्यम से ऑन लाईन रैकेट चलाकर ठगी करने वाले एक आरोपित 22 वर्षीय घनश्याम बसोर पुत्र मोटू बसोर निवासी कोतमा की जमानत आवेदन बुधवार को खारिज कर दी। पैरवी लोक अभियोजक पुष्पेन्द्र कुमार मिश्रा ने की।

लोक अभियोजक ने बताया कि फरियादी दीपक राठौर को तहसील कार्यालय के पास उसे 02 व्यक्ति मिले बातचीत करते करते जान पहचान हो गई जिन्होने अपना नाम संस्कार जायसवाल एवं घनश्याम बसोर बताया। दोनो ने दीपक राठौर से कहा कि आपके पास पैसा हो तो दे दो वे पैसा दो गुना तिगुना कर के देंगे, तब वह बोला कैसे करोगे तो दोनो आरोपियों ने बताया कि वो और लोग गेमिंग बेवसाईट में वर्क करते हैं जहाँ लोग पैसा लगाते हैं, यदि तुम हमें पैसा दोगे, तो वे लोग पैसा गेम में लगाकर डबल और तिबल करके देंगे। तब दीपक ने 5000 रू0 नगद दे दिया, फिर कई बार संस्कार जायसवाल के मोबाईल पर संपर्क किया तो उसके द्वारा फोन नहीं उठाया, फिर वह 12 जुलाई 2025 को उसके मोबाईल पर फोन लगाया तो संस्कार बोला कि पैसा वापस नही होगा। जिस पर दीपक ने थाना कोतवाली अनूपपुर में शिकायत की जिसके आधार पर अपराध की धारा 318 (4) एवं 3 (5) बी.एन.एस.एस. पंजीबद्ध किया गया। विवेचना के दौरान आरोपियों से कुछ नगदी और कई मोबाइल जप्त किये गये। जिस पर गिरफ्तार कर पूछताछ में कई आरोपियों के नाम सामने आये, जिन्हे पुलिस ने अलग अलग स्थानों से गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। आरोपी घनश्याम बसोर की ओर से सत्र न्यायाधीश नरेन्द्र पटेल के न्यायालय में जमानत पर छोड़े जाने हेतु याचिका दायर की गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश ने लोक अभियोजक द्वारा रखे गए तर्कों और सहमत होते हुए साथ ही गम्भीरता एवं परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी की जमानत याचिका को खारिज कर दी। ज्ञात हो कि जिले में गेमिंग एप में दोगुना तिगुना रकम देने का लालच देकर धोखाधड़ी करने एवं आनलाईन सट्टा खिलाने के थाना कोतवाली अनूपपुर में पंजीबद्ध प्रकरण में अंतरराज्यीय गिरोह के 13 सदस्य गिरफ्तार हो चुके हैं। जिसमे गिरोह के 06 अन्य आरोपियों को पुणे (महाराष्ट्र) से रंगे हाथों पकड़ा कर गिरफ्तार किया। जिनसे अबतक, 2 लैपटॉप, 5 टैब, 29 मोबाइल और 70 से अधिक सिम कार्ड, 40 पासबुक, 55 एटीएम कार्ड और 25,000 रुपये नकद मिले हैं। गिरोह के सरगना कैफ खान और रिजवान खान छत्तीसगढ़ के भिलाई के रहने वाले हैं। दोनों सरगना अभी फरार हैं।

# नगर परिषद अमरकंटक ने चलाया स्वच्छता जागरूकता अभियान

हायर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं को स्वच्छता का दिया गया संदेश



हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

**प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में नगर परिषद अमरकंटक के द्वारा स्वच्छता का जन जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान दल के द्वारा स्वच्छता का संदेश दिया गया। स्थानीय पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमरकंटक के प्रांगण में नगर परिषद अमरकंटक के स्वच्छता अभियान दल ने छात्र-छात्राओं को जन जागरूकता हेतु स्वच्छता का संदेश दिया गया इस दौरान अभियान दल ने छात्र-छात्राओं को संदेश दिया कि आप स्वच्छता हेतु सजग रहे तथा कचरा को यथा स्थान पर डालें।**

*सहयोगी संस्थान शुभम समाज सेवी संस्थान अनूपपुर के कार्यकर्ता लकी शुक्ला तथा नगर परिषद अमरकंटक के कर्मचारी ने कहा कि गीला कचरा हर डस्टबिन में डालें जिसमें सब्जी फल छिलके सड़े फल पक बना खाना डालना है तथा सूखा कचरा नीला डस्टबिन में प्लास्टिक की बोतल खिलौना रैपर प्लास्टिक कप आदि डालना है। जैव अपशिष्ट कचरा नीला डस्टबिन में इसमें डायपर सेनेटरी नैपकिन दवा मास्क एक्सपायरी दवा सिरिंज आदि डालें तथा घरेलू हानिकारक कचरा काले रंग के डस्टबिन में पेट डिब्बा पेस्टिसाइड नाखून रंग कांच गुलदस्ता आदि को डालना है इस तरह कचरो को अलग-अलग डस्टबिन में डालकर स्वस्थ रहें मस्त रहें प्रसन्न रहें और रोग बीमारी को दूर भगाएं। अपने घर में हर दिन इसका इस्तेमाल करें स्वयं स्वच्छता बरतें तथा दूसरों को भी स्वच्छता का संदेश दें। स्वच्छता जागरूकता अभियान में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में स्वच्छ स्वच्छता संदेश कार्यक्रम में नगर के पत्रकार धनंजय तिवारी, संस्थान के लकी शुक्ला विद्यालय के हीरालाल चंद्रवंशी, अंबादास सोनवानी, श्याम बाई, बैजनाथ चंद्रवंशी, उमाशंकर परमार तरुण सोनवानी मुकेश उपाध्याय उपस्थिति एवं शामिल रहे।*

## नाग पंचमी पर हुआ परंपरा और पराक्रम का संगम



हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

नाग पंचमी के पवित्र अवसर पर सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अनूपपुर में नाग पंचमी के पावन अवसर पर शिशु वर्ग से किशोर वर्ग तक के भैया ने उत्साहपूर्वक कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लिया। यह आयोजन हमारी सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण और विद्यार्थियों में शारीरिक स्फूर्ति के विकास का अद्भुत उदाहरण रहा। प्रतियोगिता में विजेता एवं उपविजेताओं को संस्था के प्राचार्य सतीश सिंह, ग्राम भारती के जिला अध्यक्ष बैजनाथ त्रिपाठी, किशोर भारती के अध्यक्ष भैया शेखर नापित एवं कन्या भारती की अध्यक्ष बहन सोनाली मिश्रा द्वारा पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं व्यवस्थापक आदर्श दुबे ने प्रदान की उन्होंने बताया कि यह आयोजन न केवल शरीर को मजबूत करता है, बल्कि संस्कारों को भी सुदृढ़ करता है।

# डॉ. कलाम लाइब्रेरी से पढ़े शिवम यादव का सेना में चयन

नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता की पहल से संवर रहा युवाओं का भविष्य




हरिभूमि न्यूज जैतहरी।

*नगर परिषद जैतहरी द्वारा संचालित डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम लाइब्रेरी एंड स्मार्ट क्लासेज में अध्ययनरत छात्र शिवम यादव ने भारतीय सेना में चयनित होकर क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। इस सफलता पर नगर परिषद जैतहरी, शिक्षकगण, छात्रवृंद और नगरवासियों ने उन्हें शुभकामनाएं और बधाई दी है। शिवम यादव का यह चयन उनके कठोर परिश्रम और दृढ़ निश्चय का परिणाम है, साथ ही यह नगर परिषद द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए प्रयासों की सफलता का भी प्रतीक है। नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता और मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह द्वारा शिवम यादव को बधाई दी गई एवं उनके उज्वल भविष्य की कामना की गई। उपस्थित लोगों ने कहा कि डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लासेज जैसी सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही हैं। यह लाइब्रेरी छात्रों को एक शांत और समर्पित वातावरण प्रदान करती है, जिससे वे प्रतियोगी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी कर पा रहे हैं। शिवम यादव ने कहा कि उनकी सफलता में लाइब्रेरी की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद द्वारा इस सुविधा की स्थापना से उन्हें गुणवत्तापूर्ण अध्ययन का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता का विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि उनकी दूरदर्शिता के कारण यह आधुनिक लाइब्रेरी साकार हो सकी, जिससे आज अनेक विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं।शिवम की यह उपलब्धि जैतहरी सहित पूरे जिले के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है। नगर परिषद का यह प्रयास भविष्य में और भी कई प्रतिभाशाली युवाओं को सफलता की ओर अग्रसर करने में सहायक होगा।*

# जवाहर नवोदय विद्यालय कक्षा 6वीं चयन परीक्षा की फॉर्म भरने की तिथि बढ़ी

**हरिभूमि न्यूज अमरकंटक**। पवित्र नगरी अमरकंटक स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, अमरकंटक जिला अनूपपुर में कक्षा 6वीं में प्रवेश हेतु आयोजित जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 2025 के ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। अब अभ्यर्थी छात्र-छात्राएं 13 अगस्त तक अपने आवेदन पत्र भर सकते हैं। यह संशोधन उन विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए एक सुनहरा अवसर है, जो किन्हीं कारणों से पूर्व में फॉर्म नहीं भर पाए थे या चूक गए थे उन्हें यह अवसर प्रदान किया गया है। संबंधित इच्छुक अभ्यर्थी छात्र-छात्राएं नवोदय विद्यालय समिति की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना आवेदन कर सकते हैं। अब आवेदन की संशोधित अंतिम तिथि 13.08.2025 तक फॉर्म भरे जा सकेंगे। कक्षा 5वीं में अध्ययनरत विद्यार्थी, जो शैक्षणिक सत्र 2024-25 में शासकीय, अनुदान प्राप्त, मान्यता प्राप्त विद्यालय में अध्ययनरत हों छात्र-छात्राएं फॉर्म भर सकेंगे।

## जिले में 6.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर**। अनूपपुर द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में 6.3 मिली मीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस दौरान वर्षामापी केन्द्र वेंकटनगर में 1.3 मिली मीटर, पुष्पराजगढ़ में 8.4 अमरकंटक में 23 मिली मीटर तथा बेनीबारी में 15.2 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। वर्षामापी केन्द्र अनूपपुर, कोतमा, बिजुरी तथा जैतहरी में वर्षा निरंक दर्ज की गई।

## स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन के लिए बैठक 5 अगस्त को

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर**। अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने जानकारी दी है कि 15 अगस्त "स्वतंत्रता दिवस" के अवसर पर जिला स्तरीय समारोह का गत वर्षों की भांति आयोजन हेतु 5 अगस्त को शाम 5:30 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया है। इस बैठक में सर्व संबंधित अधिकारियों को समय पर उपस्थित होने हेतु कहा गया है।

## कलेक्टर ने 65 हजार के आर्थिक सहायता की दी मंजूरी

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर**। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जनपद पंचायत पुष्पराजगढ के ग्राम पंचायत किरगी निवासी श्रीमती अंकिता पटेल पति संदीप पटेल को उपचार हेतु मुख्यमंत्री के स्वेच्छानुदान मद से स्वीकृत 65 हजार रुपये की आर्थिक सहायता राशि के आहरण एवं संवितरण की मंजूरी प्रदान की है।

## 1962 डायल कर करवा सकते हैं कृत्रिम गर्भाधान

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर**। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग अनूपपुर द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में प्रत्येक पशु चिकित्सा कार्य तथा कृत्रिम गर्भाधान कार्य एवं टीकाकरण के लिये चलित पशु चिकित्सा इकाई प्रत्येक विकासखण्ड में कार्यरत हैं। चलित पशु चिकित्सा इकाई से उपचार एवं कृत्रिम गर्भाधान (गाय-भैंस का) कार्य करवाने के लिये पशुपालक प्रातः 9 बजे से शाम 5 बजे के मध्य 1962 डायल कर घर पर ही अपने पशु का उपचार करा सकते हैं। उन्होंने बताया है कि वर्तमान में अनूपपुर जिले में कुल 6 चलित पशु चिकित्सा इकाई वाहन कार्यरत हैं। प्रत्येक चलित पशु चिकित्सा इकाई में एक पशु चिकित्सक एवं पैरावेट कार्यरत होता है, जो कि घर पहुंचकर बीमार पशु का उपचार एवं कृत्रिम गर्भाधान कार्य करते है। चलित पशु चिकित्सा इकाई द्वारा गाय, भैंस, बकरी के लिये प्रति पशु 150 रूपये एवं श्वान व बिल्ली के लिये प्रति पशु 300 रूपये शुल्क पशुपालक से लिया जाता है। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने पशुपालकों से अपील की है कि वे अपने बीमार पशुओं का उपचार घर बैठे कराने के लिये 1962 डायल कर सकते हैं।

# पुलिस अधीक्षक ने फुटबॉल खिलाडियों से संवाद कर दिया नशा मुक्ति का संदेश



हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में युवाओं को नशे से दूर रखने और स्वस्थ जीवनशैली के लिए प्रेरित करने हेतु पुलिस प्रशासन द्वारा बीते 15 दिनों से नशा मुक्ति अभियान चलाया गया। इस कड़ी में थाना राजेंद्रग्राम के ग्राम मौहरी में आयोजित फुटबॉल खेल प्रतियोगिता के दौरान विशेष नशा मुक्ति शपथ का आयोजन हुआ। इस अवसर पर अनूपपुर के पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने ग्रामीणों, खिलाड़ियों व दर्शकों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई और जीवन में खेल को अपनाने का संदेश दिया। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने खिलाड़ियों से व्यक्तिगत परिचय लिया और उन्हें नशा मुक्ति संदेश से सजे टी-शर्ट वितरित किए। उन्होंने कहा कि खेल जीवन को अनुशासित और ऊर्जावान बनाता है। मौके पर ग्रामीणों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति नशे की लत से पीड़ित है, उसे न केवल रोकने की ज़रूरत है, बल्कि सही इलाज और सहयोग की भी ज़रूरत है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस विभाग ऐसे प्रत्येक व्यक्ति को नशे से बाहर निकालने और बेहतर उपचार दिलाने के लिए हरसंभव सहायता करेगा। मौहरी और विचारपुर के बीच खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पहुंचे पुलिस अधीक्षक ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और नशामुक्त समाज की कल्पना को साकार करने की बात कही। इस टूर्नामेंट में जिले भर की 74 टीमों ने भाग लिया है, जिससे यह आयोजन पुष्पराजगढ़ क्षेत्र का सबसे बड़ा ग्रामीण खेल महोत्सव बन गया है। ग्रामीणों और खिलाड़ियों ने निवेदन कर 3 अगस्त को इस प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में पुलिस अधीक्षक को आने का आग्रह किया। जिससे पुलिस अधीक्षक ने फाइनल मुकाबले में आने का सभी को आश्वासन दिया है। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के साथ एसडीओपी पुष्पराजगढ नवीन तिवारी, थाना प्रभारी एसपी शुक्ला, सरपंच गोपाल सिंह मरावी, सचिव फूलचंद मरावी सहित हजारों ग्रामीण और खिलाड़ी उपस्थित रहे। सभी ने नशे के खिलाफ एकजुट होकर अभियान को जन-आंदोलन का रूप देने की प्रतिबद्धता दोहराई।

## जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक 5 अगस्त को

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर**। आगामी त्यौहार 9 अगस्त को रक्षाबंधन, 16 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, 26 अगस्त को हरितालिकातीज, 27 अगस्त को गणेश चतुर्थी, 5 सितंबर को मिलाद-उन-नवी एवं 6 सितंबर को गणेश विसर्जन के दौरान जिले में शांति एवं कानून व्यवस्था कायम रखने को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संयुक्त कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभागार में 5 अगस्त को शाम 5 बजे से आयोजित की गई है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने सर्व संबंधितों से बैठक में उपस्थित होने को कहा है।

# बीमा योजनाओं के सैचुरेशन के लिए शिविरों का हो रहा आयोजन

गोरसी ग्राम में आयोजित हुआ शिविर

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर**। जिले के जनपद पंचायत जैतहरी के ग्राम पंचायत गोरसी में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शासन की मंशानुरूप ग्रामीण परिवारों को विभिन्न बीमा योजनाओं के प्रति जागरूक करते हुये बीमा योजनाओं का लाभ दिलाने कलेक्टर हर्षल पंचोली के नेतृत्व में जिले भर में बीमा योजनाओं के सैचुरेशन हेतु शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शिविरों के माध्यम से जहां एक ओर ग्रामीणों को शासन की विभिन्न बीमा योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधनमंत्री सुरक्षा बीमा योजना व अटल पेंशन योजना आदि के बारे जागरूक किया जा रहा है, वही दूसरी ओर शिविरों में बीमा योजनाओं के नवीन पंजीयन व पूर्व से संचालित बीमा पालिसी का नवीनीकरण भी किया जा रहा है। कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देशानुसार अग्रणी जिला प्रबंधक अनूपपुर द्वारा इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे संबंधित बैंक के शाखा प्रबंधक, कियोस्क प्रतिनिधि, आजीविका मिशन से बैंक सखी आदि उपस्थित रहकर ग्रामीण परिवार के बैंक खाताधारक सदस्यों का बीमा पंजीयन शिविर स्थल पर ही कराया जा रहा है। शासन स्तर से उक्त बीमा योजनाओं से आजीविका मिशन अंतर्गत समस्त स्व सहायता समूह सदस्यों को भी लाभान्वित किये जाने के निर्देश प्राप्त हुये है जिसके तहत शिविरों में स्व सहायता समूह के सदस्यों की उपस्थिति भी उल्लेखनीय है। गोरसी ग्राम के शिविर में जीवन ज्योति बीमा योजना व सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम प्रकरणों का वितरण भी किया गया। ग्राम पंचायत गोरसी में आयोजित शिविर में अग्रणी जिला प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अजित नाम्बियार, एनआरएलएम के जिला परियोजना प्रबंधक शशांक प्रताप सिंह, शाखा प्रबंधक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया अंजना गुप्ता, आजीविक मिशन टीम के जिला प्रबंधक दशरथ झारिया व दीपक मोदनवाल, सहायक ब्लॉक प्रबंधक विकास सिंह एवं गीतांजलि गुप्ता एवं बैंक सखी आदि उपस्थित रहे।

## गोहन्ड्रा मे अध्यक्ष पद के निर्वाचन के लिए कार्यक्रम जारी

**हरिभूमि न्यूज अनूपपुर**। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी भोपाल द्वारा जिले के संगम मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित गोहन्ड्रा के अध्यक्ष पद के निर्वाचन हेतु कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार 31 जुलाई को अध्यक्ष के निर्वाचन हेतु संचालक मण्डल की बैठक की सूचना जारी की जाएगी। अध्यक्ष के निर्वाचन की तिथि 07 अगस्त निर्धारित की गई है।

# वर्षा ऋतु में पशुपालक करें पशुओं की देखभाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

*बदलते मौसम में जहाँ मानव जीवन के स्वास्थ्य सुरक्षा पर फोकस जरूरी है, वहीं पशुधन की भी वर्षा ऋतु में देखभाल बहुत आवश्यक है। इस मौसम में वातावरण में आई नमी में बढ़ोत्तरी के कारण पशुओं पर नकारात्मक प्रभाव पडता है, जिससे पशुओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है, जीवाणु, विषाणु फफूंद जनित एवं पशु परजीवियों जैसे जूं, मक्खी व मच्छरों से होने वाली सभी प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक ने बताया है कि बरसात के मौसम में पशुपालकों को पशुओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। पशुओं को सूखे स्थान पर रखें जहां पर हवा व धूप की मात्रा पर्याप्त हो। साफ-सफाई का भी विशेष ध्यान रखें। पशुओं को यदि पक्के फर्श पर रखा जाता है, तो उस स्थान पर सप्ताह में कम से कम दो बार कीटाणुनाशक दवाई से सफाई करें। परजीवियों से बचाव के लिए पशुपालक पशु बाड़े में मच्छरदानी का प्रयोग करें तथा समय-समय पर नजदीकी पशु चिकित्सक से परामर्श करके परजीवियों से बचाव के लिए दवाईयां व जानकारी प्राप्त करें। पशुओं के खुरों को समय-समय पर साफ करते रहें। क्योंकि इस मौसम में फफूंद को बढ़ावा मिलता है। पशुओं को समय पर पेट के कीड़ों की दवाई दें व नियमित टीकाकरण करायें। पशुपालन एवं डेयरी विभाग के उप संचालक ने पशुपालकों को सलाह दी है कि अगर किसी भी बीमारी का लक्षण पशुओं में दिखाई दे, तो तुरंत नजदीकी पशु चिकित्सालय से सम्पर्क करें तथा पशु चिकित्सक की सलाह से उचित उपचार करवाएं।*